मुख्य परीक्षा

प्रश्न- बंधुआ मजदूर का स्वरूप स्पष्ट करें तथा इसके प्रमुख कारणों की चर्चा करते हुए इनके सुधार हेतु आवश्यक उपाय सुझाएं। (200 शब्द)

Explain the nature of bondend labour. Discuss the main reasons for it and suggest necessary measures for its reforms. (200 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

- वह मजदूर जो ऋण न चुका पाने के कारण ऋणदाता के पास बिना पारिश्रमिक प्राप्त किये निश्चित या अनिश्चित समय के लिए बंधक के रूप में कार्य करता है, बंधुआ मजदूर कहलाता है।
- स्वरूप के आधार पर उन्हें कृषक मजदूर, भूमिहीन दलित ईंट, भट्ठों, पत्थरों के खाद्यान्नों में कार्य करने वाले मजदूर तथा बहिष्कृत व जनजातीय समुदाय में बांटा जा सकता है।

बंधुआ मजदूरी के कारण :

- ब्रिटिश नीतियों के कारण लंबे समय से चली आ रही आर्थिक असमानता तथा वर्तमान में जारी गरीबी एवं विषमता के कारण ऋणग्रस्तता।
- समाज में विद्यमान उच्च तथा निम्न जातीय व्यवस्था।
- बैंकों में ऋण प्राप्त करने की जटिल प्रक्रिया।
- बिमारी, दुर्घटना तथा प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापन तथा प्रवासन।
- जन्म, विवाह तथा मृत्युभोज पर अपव्यय के कारण ऋणग्रस्तता।
- मादक पदार्थों के व्यसन के कारण ऋणग्रस्तता।
- मुद्रास्फीति एवं मूल्य वृद्धि के कारण ऋणग्रस्तता।
- ऋण/आधार की परम्परागत महाजनी/साहूकारी व्यवस्था।
- वित्तीय समावेशन हेतु मूलभूत अवसंरचना का अभाव तथा भ्रष्टाचार के कारण ऋणग्रस्तता।
- अशिक्षा के कारण चक्रवृद्धि ब्याज का बढ़ना।
- कल्याणकारी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण इन योजनाओं में रिसाव।

सुझाव :

- शिक्षा के साथ रोजगार परक प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए।
- महाजनों/साहूकारों द्वारा दिए गए ऐसे ऋणों की जांच होनी चाहिए।
- भूमिहीन श्रमिकों को सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा निम्न ब्याज दर पर ऋण दाताओं को हतोत्साहित करना चाहिए तथा सामाजिक अंकेक्षण का प्रयोग तथा जागरूकता।
- ऋण प्राप्त करने हेतु हुंडी बही व्यवस्था का वैकल्पिक समाधान होना चाहिए।
- बंधुआ मजदूरी की पहचान तथा पूनर्वास से सम्बन्धित योजनाओं का सही क्रियान्वयन।
- राजनीतिक तथा प्रशासनिक इच्छाशक्ति के साथ सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए।
- वर्ष 2016 में पारित बंधुआ पूनर्वास योजना का सही क्रियान्वयन तथा पंचायत स्तर पर इसका सामाजिक अंकेक्षण इत्यादि।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।